

# दैनिक भास्कर

देश का विश्वस्तरीय अखबार

दिनांक-07 अक्टूबर 2023 (शुक्रवार) 12 मुंबई 404



## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित



### भास्कर ब्यूरो

**गुरुग्राम।** श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस

आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर ह्रजयह्व शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस

व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35

महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। क्षबोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।



# अमर भारती

करण

एक उम्मीद

## बोधराज सीकरी ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर



(ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु बिराजमान थे। एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ

किया, तदोपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान

चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर हजयह्म शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी

दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी बर्मा, सुभाष शोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

नये भारत का अखबार



# गुड़गाव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए: बोधराज सीकरी

**ब्यूरो/गुड़गाव मेल**  
 गुड़गाव 22 फरवरी। श्री स्वाम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज सिंह हैं, श्री माता मैणों देवी दरवार, बड़ी हरसरक (गुरुग्राम) श्रद्धेय पुनर्माता द्वारा राष्ट्रास्त एव फ्लायर पार्क, दुर्गात लोक, मी-क्लाक, गुरुग्राम में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री स्वाम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में खानपान मात्र ही नहीं लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, विराम लगभग 200 विद्यार्थी (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानुत्सव चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 71 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर सुने गुरु श्रद्धों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसको व्यंजना करते हुए उद्धरण करते हैं कि तबसे किम व्यक्तिच की वष हो रही है, जैसे किमका अपनी इच्छाओं पर तर है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को योगित रखता है इत्यदि को जय-जयकार होती है। वहाँ पार सो के करीब विज्ञान और साधकों की उदाम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पुनर्माता द्वारा संचालित लेणो देवी दरवार गद्दी हर मरु में 60 साधक हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए



उपस्थित रहे, जिन्होंने मात-मात बार पाठ किया और प्रता: 7.30 बजे फ्लायर पार्क, मी-क्लाक, सुरखी लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा जिन कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सभी विद्यार्थी सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय गार्कति, परंपरा, कर्मा कांड एवं तत्त्वों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए, तबकि हमारी युवा पीढ़ी एक तपस्व संस्कारपान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार एतक

प्रधान रहेगा कि अपने बहने दिनों में से कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का संचरण युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी क्रम में अगले मंगलवार शिव गाँदा, कृष्णा कालीनों में एक आयोजन होगा जिसका सन्भव फेब्रु बजाव और ताकत पत्नी ज्योत्सना बजाव करेंगी।

सब वीणा श्याम मंदिर का और से रागपीर डेहन, अत्यन्त नर्मा, सुभाव घोष, मदन सतीश, वीरेंद्र शास्त्री, जगदीश रत्नेजा, तिलक शानन, छाबड़ जी, मणेश शर्मा, शरा ब्रिधाराजा, लीला ब्रिधाराजा, मलपाल नाम, बबेंद्र गोबर्द, अशोक सीकरी, सहजान और कल्लु आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पूजा नासा जनों की

सह उपस्थित रहे।

पूजाओं विराहरी की ओर से लोमपकाश कर्धरिया, रामलाल घोषर, राज कुमार बर्धरिया, फेब्रु नवल, रमेश कुमार, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार उमेश घोषरा, शरुन चण, चंदि कर्धरिया, किशव वर्मा सतीश वर्मा, तुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाव, शिव बजाव, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनित सन्दिप, निनु छावदा, ज्योति अग्रवाल, जलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाव, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। मैं वैष्णोदेवी दरवार गद्दी हर मरु का सन्भव्य डॉक्टर लखक बधराज शर्मा ने किया। इस धर्मसमय परिशिष्ट में जन-जन के मन ने दिव्य और अनीकिक जाभूति प्राप्त की।



# गुड़गांव टुडे

एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा



गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कॉलोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ करके युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुण्यतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

पूज्य माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरवार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लॉक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लख और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय

संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुण्यतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दाश बुधिराजा, लीला बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी विरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, भर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रविच बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राजपाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश ( बुलंदशहर एवं मुरादाबाद ) से एक साथ प्रकाशित

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## बोधराज सीकरी (विन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित -10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरवार, गढ़ी हरसरु (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं पलायन पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में अर्पित देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विद्यार्थी (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोयवाई ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान



चालीसा के पाठ का शुभारम्भ किया, तदोपरंत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रंथ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर लुप्त गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर -जय- शब्द

आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय ले रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विद्यार्थी और सचिवों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता

द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरवार गढ़ी हर सरु में 90 सधक हनुमान चालीसा का पाठ कले के लिए उपस्थित रहे, जिनमें सात-सात बार पाठ किया और प्रत-7-30 बजे पलायन पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यति कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक सधक एकत्रित हुए और सर्वोत्तम सांस्कृतिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-वंश एवं उत्सवों को विशालताम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्वरत्न बनने वाली हमारी पुस्तक समानता वैदिक

परम्पराओं को भी सद सपर रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उत्सव प्रणय रहेगा कि आने वाले दिनों में वैकुण्ठ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कर्तव्य में आगे मंगलवार शिव मंदिर, कृष्ण कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेश बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर उदय, अश्वनी वर्मा, सुभाष प्रोवर, मदन सतीश, वीर अहूजा, जादीश खेजा, तिरक चान्ना, छवड़ जी, वजेश शर्मा, दग बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गणेश गोयवाई, अशोक सीकरी, सहवाल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रमोद्य

की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्प नस्र अमनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी विद्यार्थी की ओर से ओमप्रकाश कश्यप, गमलाल प्रोवर, राज कुमार वाक्यूख, धर्मेश बजाज, सेश कमर, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, अंशु प्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कश्यप, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छवड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राजपाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार -कुमार- आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरवार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।

# रण टाइम्स

**भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए - बोधराज सीकरी**



**राजु गुवा**

**बुधवार, (रण टाइम्स)।** गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) ब्रह्मदेव पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विद्यमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरंत सभों ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समाप्त पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गुड़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर -जय- शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर चर है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि

की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7-30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लॉक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनने वाली हमारी पुरातन स्मृतन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका

समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष शोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लील् बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेन्द्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहयल और चवल् आदि उपस्थित रहे।

महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेजपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी निरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल शोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, रमेश शोवर, अर्जुन नासा, निरेंद्र कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरू का समन्वय डॉक्टर अलका बंधवार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

# ओपन सर्च

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित

## 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतवीर भारद्वाज

मुकुटाग्राम। श्री हनुमान जी मंदिर, न्यू कोलोनियों (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज सुंदर हैं, श्री माता वैष्णवी देवी दरवार, गड़ी हरमक (गुरुग्राम) श्रद्धेय पुरुष माता द्वारा संचालित एवं फतावर पार्क, सुरासा लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री हनुमान जी मंदिर, न्यू कोलोनियों (गुरुग्राम) में लगभग चार से बीस लोग इस महान पाठ में अग्रणी देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विद्यार्थी (बालक) भी इस आध्यात्मिक कार्य में विद्यमान थे।

जी. एन. गौडार्ई ने व्यास गुरुदेी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पाठ का सुधारम किया, तदुपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महात्म्य चालीसा चौपाहरी के प्रथम का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर सुषे गुरु श्रद्धांजी को उद्गार भी किया।

उनके कथननुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "नम" शब्द आता है। इसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें किस व्यक्तित्व को नम हो रही है, कौसे किसका अपनी इन्द्रिय पर धार है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपने इच्छाओं को धीमे रखता है इत्यादि को नम-उत्कार होता है। जहाँ चार से के करीब विद्यार्थी और सभीको श्री हनुमान मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पुरुष माता द्वारा संचालित वैष्णवी देवी दरवार, गड़ी, हरमक में 50

साथक हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए उपस्थित रहे, विन्दीन खन-मल्ल वारा पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फतावर पार्क, सी-ब्लॉक, सुरासा लोक, गुरुग्राम में 35



महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा जाने कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साथक एकत्रित हुए और सवने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथननुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं तत्त्वों को विशालतम और भयंर तरीके से मनना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तपन संकारात्मक बने कहीं



हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी स्मरण रखें। बोधराज सीकरी के कथननुसार उनका प्रयास होगा कि आने वाले दिनों में वे कुच्छ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भजन आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्ण कॉलोनियों में एक आयोजन होगा जिसका सम्मेलन धर्मेश बजाज और उनकी पत्नी

■ भारतीय संस्कृति परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और मजबूत तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

■ युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखें : बोधराज

उपस्थान बजाज करेंगी। इस दौरान स्वयं मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अरुणवी वर्मा, सुभाष प्रोवर, मदन भवोडा, नीरंज आहवा, जगदीश राखेडा, तिलक चान्दा, लखशु जी, राजेश शर्मा, वारा कृष्णराज, लक्ष्मी कृष्णराज, सतपाल नाथ, गजेंद्र गोखरा, अशोक सीकरी, सहज और वक्लू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा सेविका और पुष्प नारा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंचवटी विद्यार्थी की ओर से ऑपरकास कथीरक, रामलाल शीवर, राज कुमार कथीरक, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश प्रोवर, अर्जुन नाथ, नीरंज कथीरक, विजय वर्मा, मनीष वर्मा, गुणवत, ज्योत्सना, प्रवीण वर्मा, शक्ति बजाज, रवि बजाज, सुरेश खैरती, शैल सीकरी, सोनियल पचवेव, विन्डु लखशु, ज्योती अग्रवाल, मलिक मीरन गाव्ही, राज पाल नासा, मुदरंन बजाज, रमेश कुमार 'कथार' आदि उपस्थित रहे।

वैष्णोदेवी दरवार गड़ी हरमक का सम्मेलन बुधवार अगला कथारा शर्मा ने किया। इस विलम्ब परिक्रम में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।



# बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

## हनुमान चालीसा पाठ का किया गया आयोजन

भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महसंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसर में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस आस्थात्मक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाई से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाहियों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय है। जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को

विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवाने बने। वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा

स्मरण रखे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वह कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। उन्होंने बताया कि जहाँ करीब 400 विप्रवार और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने 7-7 बार पाठ किया और प्रातः 7-30 बजे फलावर पार्क, सी-ब्लॉक, सुरात लोक में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10 हजार से अधिक बार पाठ पढ़ा। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेन्द्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस अवसर

पर श्याम मंदिर के रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष शोबेर, मदन सतीजा, बरिन्द्र आहूजा, जगदीश राखेजा, तिलक चानना, छबड़ जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीतू बुधिराजा, सतपाल नासा, गर्जेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहलग और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी के बरिष्ठ उप प्रधान ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल शोबर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामर, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश शोबर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छबड़, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सर का समन्वय डॉ. अलका बधवार शर्मा ने किया।

## हरियाणा की आवाज़

# एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा



**गुरुग्राम (राकेश)।** चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ करकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लाक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए

उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गढ़ी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7-30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से



अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं,

अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, धमेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायानियर

## एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा

पायानियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्रीश्यामजी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

पूनाम माता द्वारा संचालित गद्दी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लॉक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी।



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करते साधक।

करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गद्दी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7:30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्मकांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य

तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा टीम के साथ उपस्थित रहे।

# जगत क्रान्ति

## हनुमान चालीसा पाठ का किया आयोजन

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा



गुरुग्राम : न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसरु में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस

आद्यात्मिक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाई से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और

उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने।

आप का साथ हमारा विश्वास

# एनसीआर टाइम्स

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 23/2/23

## 10000 बार श्री हनुमान चालीसा से गूंजा गुरुग्राम शहर

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए : बोधराज सीकरी



पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम ( एनसीआर टाइम्स ) गुरुग्राम के श्री श्याम मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरु(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर 'जय' शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर बश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेन्द्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष घोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लौलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल घोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश घोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार "कुमार" आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बघवार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हनुमान इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

हनुमान इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। श्री जगज्जी मॉल, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरवार, गद्दी हरमकर गुरुग्राम) इटेल पुनम महा प्रार संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुरात लोक, सी ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में जगज्जी चर सो जिस लोग इस महा प्रार में सहित देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विपक्ष (ब्रह्मचर) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विरजमान थे।

श्री. एन गोसाई ने व्यास गद्दी से लय और गति के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पाठ का शुभारम्भ किया, तद्पश्चात् सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महाप्रार चालीसा की पाठ करने के उद्योग 21 बार पाठ किया।



समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्त छुपे गूढ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार, हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जल शब्द आता है। उसको व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इच्छाओं पर चर है, जो

ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को रांगत रखता है इच्छाओं को जय अर्पण करती है। वहीं चर सो के कर्तव्य विपक्ष और साधकों की ज्ञान मंदिर में उपस्थित रही, तहाँ पुनम महा प्रार संचालित वैष्णो देवी दरवार गद्दी हर सत में 90 साधक हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-

सत्त बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी ब्लाक, सुरात लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़े यानि कि 251 बार। इस तरह संस्कारजन्य बने यहाँ हमारी अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।



बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, क्रम-कंड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरह संस्कारजन्य बने यहाँ हमारी पूरतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखें। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास

रहना कि आने वाले दिनों में वें कुछ और पहिरेंगे भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी जड़ी में अगले मंगलवार सुबह 6 बजे, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मद बजाज और उनकी सती

ज्योत्सना बजाज करेंगे। इस दौरान श्याम गद्दी की ओर से राधेशीर रंजन, अश्वनी बर्म, सुभाष शोकर, मदन सखीजा, चौरेंद्र, अट्टल, जगदीश खेड़ा, विलक मानना, शशबंदा जी, राजेश शर्मा, टाय बुधिराजा, लालू बुधिराजा, सतपाल नाथ, गजेंद्र गोसाई, अशोक रंजी, महगल और बबानू आदि उपस्थित

रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेचपल और पूजा नामा श्यामनी जी के साथ उपस्थित रहे।

बनबी चिरावरी की ओर से ओमप्रकाश कशूरीया, रामलाल शोकर, राज कुमार कशूरीया, धर्मद बजाज, रणेश कागार, अर्जुन काला, रमेश कुमार, उमेश शोकर, अर्जुन जामा, नरिंदर कशूरीया, विजय बर्म, सुरेश बर्म, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति बर्म, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश शोकर, शक्ति शोकर, सोनिया सचदेव, विनू श्यामदा, ज्योति अशवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज खल नाथ, सुदर्शन बजाज, रणेश कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरवार गद्दी हर सत का समन्वय डॉक्टर अलका नमनवर जामा ने किया।

इस भव्य कार्यक्रम में जगज्जी के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्रदान की।





## युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी

ajeybharat: Wednesday, February 22, 2023

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा



गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फतापर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदीपरत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।



उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फतापर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।



## Bodhraj Sikri – भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए



**Viral Sach :** श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान Bodhraj Sikri खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पुनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया।

श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपायों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर 'जय' शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है।

जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पुनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिनोंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार।

इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 556 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विनाशतम और भय्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वें कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भय्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रीवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रस्सेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

पंजाबी विराठरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रीवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रीवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार 'कुमार' आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरू का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।